भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2980

12.03.2021 को उत्तर के लिए

हरित भारत हेतु राष्ट्रीय मिशन

2980. श्री सुब्रत पाठक:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री रवि किशन:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री राजेन्द्र धेड्या गावित:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री चंद्र शेखर साहू:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हरित भारत योजना हेतु राष्ट्रीय मिशन के लक्ष्य और उद्देश्य क्या है;
(ख) क्या केन्द्र सरकार ने 2020-21 और 2021-22 के दौरान इस योजना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;
(ग) राज्यों को वित्तीय सहायता के आवंटन के लिए मापदंड का ब्यौरा क्या है;
(घ) उत्तर प्रदेश, झारखंड और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों को अब तक आवंटित और जारी की गई निधि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और
(ड.) हरित भारत योजना हेतु राष्ट्रीय मिशन के उद्देश्यों को किस हद तक प्राप्त कर लिया गया है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (जीआईएम) राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के आठ मिशनों में से एक है। इसका लक्ष्य भारत के वन आवरण को संरक्षित करना, बहाल करना, संवर्धित करना और जलवायु परिवर्तन पर प्रतिक्रिया दिखाना है। इस मिशन के उद्देश्य वन/वृक्ष आवरण को बढ़ाना और वन आवरण की गुणवत्ता को सुधारना, जैव-विविधता और जलविज्ञान संबंधी सेवाओं पारिस्थिति तंत्र की सेवाओं को बेहतर बनाना, वनों और उसके आस-पास में रहने वाले परिवारों की वन आधारित आजीविका आय को बढ़ाना, और वार्षिक CO_2 के प्रथक्करण को बढ़ाना हैं।

(ख) संघ सरकार ने वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान योजना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जीआईएम के अंतर्गत विविध गतिविधियों के कार्यान्वयन हेतु आठ राज्यों नामत: छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, मणिपुर, मिजोरम, कर्नाटक, सिक्किम, उत्तराखंड तथा एक संघ राज्य क्षेत्र जम्मू कश्मीर को 112.65 करोड़ जारी किए गए हैं। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए जीआईएम के बजट शीर्ष के अंतर्गत 250.00 करोड़ रू. आबंटित किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान जारी की गई धनराशि का राज्यवार **अनुबंध-I** में संलग्न है।

(ग) राष्ट्रीय हरित भारत मिशन एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना है। राज्य सरकारें जीआईएम के कार्यान्वयन दिशानिर्देशों के अनुसार विविध गतिविधियों को शुरू करने के लिए वार्षिक संचालन योजना (एपीओ) को प्रस्तुत करती हैं। मंत्रालय एपीओ की जांच करता है और अनुमोदित करता है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय द्वारा वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य सरकारों को निधि जारी की जाती है।

(घ) और (ड.) राष्ट्रीय हरित भारत मिशन के तहत गतिविधियां वित्तीय वर्ष 2015-16 में शुरू की गई थी। अभी तक, चौदह राज्यों और एक संघ राज्य क्षेत्र को 167151 हेक्टेयर क्षेत्र में वनरोपण गतिविधियां शुरू करने के लिए 455.73 करोड़ जारी किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 के दौरान जारी की गई निधि और स्वीकृत वनरोपण क्षेत्र का राज्यवार संघ राज्यवार ब्यौरा **अनुबंध-II** में है।

****

अनुबंध-**1**

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान राष्ट्रीय हरित भारत मिशन के तहत विविध गतिविधियों को करने के लिए राज्यवार जारी की गई निधियों का ब्यौरा :

क्र.सं.	**राज्य/संघ शासित राज्य के नाम**	**जारी की गई निधि (करोड़ में)**
1	छत्तीसगढ	1.66
2	हिमाचल प्रदेश	17.09
3	कर्नाटक	2.35
4	मणिपुर	6.74
5	मिजोरम	2.99
6	ओडिशा	26.01
7	सिक्किम	2.19
8	उत्तराखंड	27.89
9	जम्मू और कश्मीर (UT)	25.73
	कुल योग	**112.65**

***

अनुबंध- II

राष्ट्रीय हरित भारत मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक जारी की गई निधियों और स्वीकृत वनरोपण क्षेत्र का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा:

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम**	**जारी की गई निधियां (करोड़ रू. में)**	**वनीकरण क्षेत्र (क्षेत्र हे. में)**
1	आंध्र प्रदेश	4.168	2737
2	छत्तीसगढ	66.627	20191
3	हिमाचल प्रदेश	17.085	5480
4	कर्नाटक	8.966	1920
5	केरल	25.466	12298
6	मणिपुर	38.374	23358
7	मिजोरम	72.951	6766
8	ओडिशा	49.571	16920
9	पंजाब	15.518	19643
10	उत्तराखंड	48.100	16634
11	मध्य प्रदेश	54.812	4304
12	महाराष्ट्र	10.302	1509
13	सिक्किम	8.641	11045
14	पश्चिम बंगाल	9.426	18666
15	जम्मू और कश्मीर (यूटी)	25.727	5680
	कुल योग	**455.734**	**167151**

****